हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(बसंत)(पाठ 1)(शिव मंगल सिंह सुमन – हम पंछी उन्मुक्त गगन के)

(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1:

हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते ?

उत्तर 1:

हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिजरे में इसलिए बंद नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें अपनी आजादी इस सुख–सुविधा से ज्यादा प्यारी लगती है । पिंजड़े में रहकर वे अपने अनुसार उड़ नहीं सकते और अपने सपनों की उड़ान को साकार रूप नहीं दं सकते ।

प्रश्न 2:

पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन–कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं ?

उत्तर 2:

पक्षी उन्मुक्त रहकर दूर गगन की उँचाइयों को छूना चाहते हैं । एक पेड़ से दूसरे पेड़ की फुनगी पर बैठना चाहते हैं । आपस में दूर गगन की उुँचाई को छूने की होड़ लगाकर एक दूसरे से आगे निकलना चाहते हैं ।

प्रश्न 3:

भाव स्पष्ट कीजिए –

या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती साँसों की डोरी।

उत्तर 3:

उक्त पंक्तियों का यह भाव है कि पक्षी आपस में एक दूसरे से बाजी लगाकर दूर आसमान की उँचाइयों को को छूना चाहते हैं । उसमें चाहे वे एक – दूसरे को हरा दें या उनकी सांसें फूल जाएं ।

कविता से आगे

प्रश्न 1:

बहुत से लोग पक्षी पालते हैं।

प्रश्न क:

पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं ? अपने विचार लिखिए।

उत्तर क:

पक्षियों को पालना किसी भी तरह से उचित नहीं है । यदि हमें भी सारी सुख सुविधाएं देकर केवल एक कमरे के अन्दर बंद कर दिया जाए तो हमें भी वह एक बंधन लगेगा और हम किसी भी तरह उससे छुटकारा पाना चाहेंगे । यदि हमें ऐसा लगता है तो उन पक्षियों को कैसा लगेगा जिन्हें हम अपने शौक के लिए पालते हैं । उनको भी आजाद रहने का पूरा अधिकार है ।

प्रश्न खः

क्या आपने या आपकी जानकारी में किसी ने कभी कोई पक्षी पाला है ? उसकी देखरेख किस प्रकार की जाती होगी, लिखिए।

उत्तर खः

मेरे एक मित्र ने एक तोता पाला है वह उसे हर प्रकार के पकवान खाने को देता है । उससे बातें भी करता है । तोता भी उससे बातें करके काफी खुश होता है । मगर जब वह आसमान की तरफ मुँह करके देखता है तो उसकी ऑखों में एक अजीब सी बैचैनी देख कर मन भर आता है और जी चाहता है कि उसे पिंजड़ा खोलकर मुक्त कर दूँ।

प्रश्न 2:

पक्षियों को पिजरे में बंद करने से केवल उनकी आजादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है। इस विषय पर दस पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।

उत्तर 2:

मैं जब खुद बंधन में रहना पसंद नहीं करता तो दूसरें को कैसे बॉधकर रख सकता हूॅ । इसीलिए मैंने कोई भी पक्षी नहीं पाला उनको खुले आसमान में उड़ता देखकर जिस खुशी का अनुभव होता है उसका वर्णन संभव नहीं है , इसी खुशी में जब कोई बाधा डालता है तो ऐसा लगता है कि उसने मानो प्रकृति की सुंदरता में बाधा डाल दी है । पक्षियों का चहचहाना ,उनका चोंच लड़ाकर खेलना , एक–दूसरे से अपनी सुरीली आवाज में बातें करना ऐसा लगता है मानों स्वयं प्रकृति ही बोल रही हो । उनको बॉधना ऐसा लगता है मानों हमने प्रकृति को ही बांध लिया हो ।